



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23]
[No. 23]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 20, 1984/पौष 30, 1905
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 20, 1984/PAUSA 30, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1984

का० आ० 28(अ).—मिजो नेशनल फ्रंट (जिसे इसमें इसके पश्चात् फ्रंट
कहा गया है)।—

- (i) जिसने एक स्वतंत्र मिजोरम, जिसमें मिजोरम संघ राज्य क्षेत्र और
उससे लगे हुए असम, मणिपुर और त्रिपुरा के वसे हुए क्षेत्र मिजो या
कुकी समाविष्ट हैं, बनाने के अपने उद्देश्य की खूले तौर पर घोषणा
की थी, उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए और भारत संघ से उक्त
क्षेत्रों को विलय करने के लिए अपने क्रियाकलाप में लग हुआ है ;
- (ii) सशस्त्र बल, अर्थात् तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी और उसके द्वारा
गठित अन्य निकायों को अपने पूर्वोक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए
नियोजित कर रहा है ;
- (iii) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए उक्त सशस्त्र बलों के
सदस्यों और अन्य व्यक्तियों को मिजोरम संघ राज्य क्षेत्र में सुरक्षा
बलों, सरकार और नागरिकों पर आक्रमण करने के लिए नियोजित
कर रहा है तथा सिविलियन जनसंख्या के विरुद्ध लूट और अभिद्रोह के
कार्य में और व्यक्तियों को भर्ती करने तथा अपने संगठन के लिए
निधियों के संग्रह करने में लगा हुआ है ;
- (iv) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए तथाकथित मिजो नेशनल
आर्मी के लिए अपने संगठन और सशस्त्र बल के माध्यम से विदेशों से
संपर्क स्थापित किया है और सहायता प्राप्त की है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि पूर्वोक्त कारणों से, फ्रंट और उसके
द्वारा गठित अन्य निकाय, जिसके अन्तर्गत उसके सशस्त्र बल अर्थात् तथाकथित
मिजो नेशनल आर्मी है, विधिविरुद्ध संगम है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि सुरक्षा बलों पर और सिविलियन
जनसंख्या पर तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी के सशस्त्र रूपों द्वारा बार बार
किए गए हिंसा और आक्रमण के कार्यों के कारण फ्रंट और उसके अन्य
निकायों, जिसके अन्तर्गत तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी है, को तुरन्त प्रभाव से
विधिविरुद्ध घोषित करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम,
1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, “मिजो नेशनल फ्रंट, जिसके अन्तर्गत उसके द्वारा गठित अन्य
निकाय और तथाकथित मिजो नेशनल आर्मी है” को विधिविरुद्ध संगम घोषित
करती है, और, उस धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि यह अधिसूचना, किसी ऐसे आदेश के
अधीन रहते हुए जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किया जाए, राजपत्र
में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी ।

[फा० सं० 13/17/83-एन० ई-1]

आई० पी० गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th January, 1984

S.O. 28(E).—Whereas the Mizo National Front
(hereinafter referred to as the Front)—

- (i) which had openly declared as its objective the formation of an independent Mizoram comprising of the Union territory of Mizoram and the adjacent Mizo or Kuki inhabited areas of Assam, Manipur and Tripura has been continuing its activities to achieve the said objective and bring about secession of the said areas from the Union of India.
- (ii) has been employing an armed force, namely, the so-called Mizo National Army, and the other bodies set up by it, to achieve its aforesaid objective;
- (iii) has, in furtherance of the aforesaid objective, been employing the members of the said armed force and other persons in attacking the Security Forces, the Government and the citizens in the Union territory of Mizoram and indulging in acts of looting and intimidation against the civilian population and in recruitment of persons and collection of funds for its organisation;
- (iv) has, to achieve its aforesaid objective established contacts with, and secured assistance from foreign countries through its organisation and armed force for the so-called Mizo National Army;

And whereas the Central Government is of opinion that for the reasons aforesaid, the Front and other bodies set up by it, including its armed force, namely, the so-called Mizo National Army, are unlawful associations;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated acts of violence and attacks by armed groups of the so-called Mizo National Army on the Security Force and on the civilian population, it is necessary to declare the front and its other bodies, including the so-called Mizo National Army, to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the "Mizo National Front including the other bodies set up by it and the so-called Mizo National Army" to be unlawful association, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso of sub-section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 13/17/82-NE.I]
I. P. GUPTA, Jt. Secy.